**भारत सरकार**

**श्रम और रोजगार मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या- 1693**

**गुरुवार, 13 मार्च, 2025/22 फाल्गुन, 1946 (शक)**

**शहरी और ग्रामीण बेरोजगारी**

**1693. श्री प्रकाश चिक बाराईक:**

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले पांच वर्षों में 18-30 वर्ष के आयु वर्ग में बेरोजगारी दर, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अलग-अलग कितनी है;

(ख) देश में बेरोजगार महिलाओं की संख्या कितनी है; और

(ग) बेरोजगार लोगों में ऐसे लोगों की संख्या कितनी है जिनके पास स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री है?

**उत्तर**

**श्रम और रोजगार राज्य मंत्री**

**(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)**

(क) से (ग): आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रोजगार और बेरोजगारी का आधिकारिक डेटा स्रोत है, जो वर्ष 2017-18 से सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा आयोजित किया जाता है। सर्वेक्षण अवधि प्रतिवर्ष जुलाई से जून होती है।

नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2019-20 से वर्ष 2023-24 के दौरान सामान्य स्थिति के आधार पर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 15-29 वर्ष की आयु के व्यक्तियों की अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) निम्नानुसार है:

| **बेरोजगारी दर (यूआर) % में** | | |
|---|---|---|
| **वर्ष** | **ग्रामीण** | **शहरी** |
| 2019-20 | 12.9 | 19.9 |
| 2020-21 | 10.7 | 18.5 |
| 2021-22 | 10.6 | 17.2 |
| 2022-23 | 8.0 | 15.7 |
| 2023-24 | 8.5 | 14.7 |

*स्रोत: पीएलएफएस, एमओएसपीआई*

इसके अलावा, नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं की अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) वर्ष 2019-20 में 4.2% से घटकर वर्ष 2023-24 में 3.2% हो गई है।

15 वर्ष और उससे अधिक आयु के स्नातक व्यक्तियों के लिये अनुमानित बेरोज़गारी दर (यूआर) वर्ष 2019-20 में 17.2% से घटकर वर्ष 2023-24 में 13.0% और इसी अवधि के दौरान स्नातकोत्तर व्यक्तियों के लिये 12.9% से घटकर 12.4% हो गई है।

*****